UP Board Solutions for Class 6 Home Craft Chapter 8 कढ़ाई कला

कढ़ाई कला

अभ्यास

प्रश्न 1.
वस्तुनिष्ठ प्रश्न रिक्त स्थानों की पूर्ति करिए-
(क) कढ़ाई करने के लिए **पक्के** धागों का प्रयोग करना चाहिए।
(ख) फ्रेम वस्त्र तानने के काम आती है।
(ग) कार्बन पेपर से नमूना **उतारा** जाता है।
(घ) रुमालों पर **लेजी-डेजी कढ़ाई के** नमूने सुंदर लगते हैं।

प्रश्न 2.
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न
(क) वस्त्र पर नमूना छापने की विधियों के नाम लिखिए।
उत्तर
नमूना छापने की दो विधियाँ निम्नलिखित हैं –

1. कार्बन पेपर द्वारा
2. लकड़ी के ठप्पों द्वारा

(ख) कढ़ाई करने वाले टाँकों के नाम लिखिए।
उत्तर

1. लेजी-डेजी कढ़ाई- इसे कढ़ाई से छोटे-बड़े फूल तथा पत्ती बना सकते हैं। इसका टाँका भी चेन स्टिच की तरह लेते हैं। यह कढ़ाई चादर, मेजपोश, तकिया का गिलाफ, रूमाल आदि पर कर सकते हैं।
2. बटन होल स्टिच- इसका टॉका काज स्टिच की तरह लेते हैं। एक ही बिन्दु पर बार-बार सूई घुसाकर सूई के आगे धागा करके गोलाई से बनाते हैं। इससे छोटे-छोटे फूल और फूलों का गुच्छा बन सकता है।

प्रश्न 3.
लघु उत्तरीय प्रश्न
(क) कढ़ाई कला के लाभ लिखिए।
उत्तर
कढ़ाई कला के निम्नलिखित लाभ हैं –

1. घर के विभिन्न कमरों में प्रयुक्त होने वाले वस्त्रों की सजावट कढ़ाई कला से करते हैं।
2. पहनने वाले वस्त्रों- सलवार, सूट, साड़ी, ब्लाउज, बच्चों के वस्त्र आदि पर कढ़ाई किए। जाने से वे सुन्दर लगते हैं।
3. खाली समय का उपयोग होता है और आर्थिक लाभ भी होता है।

https://www.evidyarthi.in/

4. मनचाहे वस्त्र पर मनचाही डिजाइन काढ़ सकते हैं।
5. वस्त्रों को सुन्दर व आकर्षक बनाने के लिए कढ़ाई कला उत्तम साधन है।

(ख) कढ़ाई करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?
उत्तर
कढ़ाई करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए

1. नमूना वस्त्र के अनुकूल हो, छोटे वस्त्र पर छोटा और बड़े पर बड़ा।
2. धागों के रंगों का उचित चुनाव करना चाहिए।
3. रंग पक्के और चमकदार होने चाहिए।
4. धागे की गाँठ को कढ़ाई में छिपा देना चाहिए।
5. टाँके मजबूत हों जिससे कढ़ाई न खुल सके।
6. साफ हाथों से कढ़ाई करनी चाहिए।
7. सूई में छोटा धागा डालें क्योंकि बड़ा धागा उलझ जाता है।

प्रश्न 4.
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(क) कढ़ाई कला में उपयोगी उपकरणों के नाम एवं उनके प्रयोग लिखिए।
उत्तर
कढाई कला में उपयोगी उपकरणों के नाम एवं उनके प्रयोग:

1. **ट्रेसिंग पेपर-** यह पतला कागज होता है। चित्र पर रखने से चित्र दिखाई देता है। इसलिए इसे नमूने के ऊपर रखकर नमूना उतारते हैं।
2. **कार्बन पेपर-** इससे भी कपड़े पर नमूना छापते हैं। कार्बन पेपर कई रंग के होते हैं- लाल, नीला, काला, सफेद आदि। गहरे नीले काले वस्त्र पर लाल या सफेद कार्बन पेपर से छापते हैं। हल्के रंग के वस्त्र . पर काले नीले कार्बन पेपर से छापते हैं।
3. **पेंसिल-** यह नमूना उतारने और छापने के काम आती है।
4. **सुई-** सुई कई प्रकार की होती है- पतली, मोटी,, मैटी एवं मशीन की सुई। साधारण वस्त्र पर कढ़ाई करने के लिए पतली सुई का प्रयोग करते हैं। मैटी के लिये मैटी की सुई प्रयोग करते हैं।
5. **धागा-** विभिन्न प्रकार के रंगीन धागे कढ़ाई करने के काम आते हैं।
6. **फ्रेम-** यह लकड़ी या प्लास्टिक का गोलाकार होता है जिसे फ्रेम कहते हैं। इसमें लगाकर कपड़े को तान देते हैं जिससे कढ़ाई करने में सुविधा होती है।
7. **छोटी कैंची-** धागा काटने के काम आती है।
8. **कढ़ाई किट-** इसमें कढ़ाई का सभी सामान एकत्रित रखते हैं ताकि सामान सुरक्षित और साफ रहे।

(ख) कढ़ाई करने के किन्हीं एक टाँके बनाने की प्रक्रिया लिखिए।
उत्तर
कढ़ाई करने के लिए अनेक टाँकों या स्टिच का प्रयोग करते हैं जैसे- कच्चा टाँका, काथा स्टिच, स्टेम स्टिच (उल्टी बखिया) चेन स्टिच, बटन होल स्टिच, लेजी डेजी कश्मीरी स्टिच, साटन स्टिच, क्रास स्टिच आदि। इनमें से चेन स्टिच टाँका बनाने की प्रक्रिया निम्नलिखित है|

https://www.evidyarthi.in/

चैन स्टिच- इसे जंजीरा केढ़ाई भी कहते हैं। इससे फूल पत्ती का बाहरी किनारा (आउट लाइन) और फूल पत्ती को भरकर भी बनाते हैं। इसमें एक ही बिंदु पर दुबारा सुई घुसाकर आगे की ओर सुई को धागे के ऊपर से निकालते हैं। यही क्रिया दोहराने से चेन स्टिच बन जाएगी। यह ध्यान रहे कि टांके एक बराबर ही हों।

https://www.evidyarthi.in/